972/962

दिनांक - 22/07/2015

(राष्ट्रीय सहारा)

नीतीश पर बरसे राधामोहन सिंह

पटना (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के कृषि के लिए तैयार 'विजन 2050' का 25 जुलाई को विमोचन करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने मंगलवार को कहा कि पटना में आयोजित आईसीएआर के 87वें स्थापना दिवस पर 25 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के कृषि वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन करने के साथ आईसीएआर द्वारा देश में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए तैयार किए गए तैयार विजन 2050 का विमोचन करेंगे।

उन्होंने बताया कि आईसीएआर के 87वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने आ रहे प्रधानमंत्री साथ ही युवा कृषि उद्यमियों को मृदा परीक्षण किट्स भी प्रदान करेंगे। राधामोहन ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री लैब-टू-लैंड कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए आईसीएआर की तीन नई परियोजनाओं फार्मर्स फर्स्ट, आर्या और मेरा गांव मेरा गौरव का भी शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि अनुसंधान, शिक्षा, नवोन्मेष एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 82 लोगों को पुरस्कृत भी करेंगे। आईसीएआर के स्थापना दिवस का आयोजन पहली बार नई दिल्ली के बाहर किया जा रहा है। बिहार राज्य का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि देश के पहले कृषि अनुसंधान व शिक्षा संस्थान आईएआरआई की स्थापना करीब 110 वर्ष पूर्व बिहार के समस्तीपुर जिला के पूसा में की गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 जुलाई को मुजफ्फरपुर के चक्कर मैदान में आयोजित परिवर्तन रैली को संबोधित करने वाले हैं। उनके बिहार दौरे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कटाक्ष पर राधामोहन सिंह ने कहा, 'वह इतने विचलित क्यों हैं। दरअसल उनकी बेचैनी, रात की नींद और दिन का चैन छिन जाने का मुख्य कारण राजद, जदयू और कांग्रेस के बेमेल गठबंधन के भीतर अंकुरित हो रहा मतभेद है जिसे तीन दिनों की मशक्कत के बाद शरद यादव भी नहीं पाट सके हैं।' उन्होंने कहा, 'भला राजद प्रमुख लालू प्रसाद जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद यादव की बात क्यों मानें। दरअसल, लालू जी की राजनीति की चाबी तो समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव के पास है। शरद जी और मुलायम जी में कैसा छत्तीस का आकंड़ा है, पूरे देश की जनता जानती है। यही कारण है कि प्रचार अभियान में तीनों दलों का अलग-अलग पोस्टर, बैनर और स्लोगन नजर आ रहा है। यह कैसा गठबंधन है जिसमें गठबंधन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव की पार्टी ही नहीं है।'

■ कहा, नीतीश की बेचैनी, रात की नींद और दिन का चैन छिनने का मुख्य कारण राजद, जदयू और कांग्रेस के बेमेल गठबंधन के भीतर अंकुरित हो रहा मतभेद है

राधामोहन ने कहा, 'बिहार की जनता ने नरेंद्र मोदी के कांग्रेस मुक्त भारत के नारे को स्वीकार करते हुए लोकसभा चुनाव में राजग के पक्ष में प्रचंड जनादेश दिया। देश में कांग्रेस समाप्त हो रही है। जनता अब बिहार में परिवर्तन करने का संकल्प ले चुकी है। हाल ही में बिहार विधान परिषद के लिए हुए चुनाव में ट्रेलर दिख चुका है। मुजफ्फरपुर की रैली में बिहार की जनता की व्यवस्था परिवर्तन की भावनाओं का प्रकटीकरण होगा।' उन्होंने कहा कि भाजपा जब तक नीतीश कुमार के साथ थी। साढ़े सात साल का वह काल बिहार की राजनीति के लिए स्वर्णिम काल रहा। अब पुनः जंगलराज का दृश्य दिख रहा है।

सुनीता गुप्ता
22/7/15
प्रभारी, पत्रिका एंव समाचार पत्र अनु०

प्रतिलिपि-:

1- निजी सचिव, निदेशक कार्यालय
2- निजी सचिव, संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3- निजी सचिव, अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4- निजी सचिव, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान)
5- प्रभारी, पी० पी० आई०
6- प्रभारी, कैटेट
7- प्रभारी, यू० एस० आई०